'विदेशी निवेश और बढ़ाएं, हर निवेशक से करें संवाद'

सीएम ने कहा, स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट बने यूपी की पहचान

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

यूपी अब सिर्फ निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन गया है। हर निवेशक के साथ संवाद लगातार बना रहना चाहिए और किसी भी स्तर पर देरी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। यह कहना था सीएम योगी आदित्यनाथ का। वह शुक्रवार को औद्योगिक विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के प्रयासों को और तेज करने की बात करते हुए उन्होंने दो टूक कहा कि 'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' यही नए यूपी की पहचान होनी चाहिए।

अधिकारियों ने सीएम के सामने निवेश प्रयासों का ब्योरा रखा। बताया गया कि राज्य का कुल संचयी विदेशी निवेश अक्टूबर 2019 से अब 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। वहीं, एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत अब तक 11 निवेश आवेदकों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं। इसके अलावा 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और सिंगापुर उत्तर प्रदेश के प्रमुख निवेश साझेदार बने हुए हैं।

विदेशी डेस्कों के जरिए हो रही पहल : अधिकारियों ने बताया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के लिए बनाए गए विदेशी देश डेस्क लगातार सक्रिय हैं। दूतावासों, उच्चायोगों और व्यापार संघों से निरंतर संवाद चल रहा है। निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। जापान व्यापार संगठन और सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य मंडल के साथ होने वाले समझौते भी निवेश के ठोस अवसरों में बदले जा रहे हैं। खाड़ी सहयोग परिषद सेक्टर डेस्क की भी दिल्ली, नोएडा, मुंबई, लखनऊ और कानपुर में अब तक 6 गोलमेज बैठकें हो चुकी हैं, जिनसे 83 कंपनियों के साथ सीधा संवाद बना और करीब 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो के ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और दस्तावेजी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कांसाई फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज असोसिएशन की 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप चल रहा है। IIT कानपुर के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। टोयोटा समूह, सुमितोमो और मारुबेनी से निवेश को लेकर लगातार बातचीत जारी है। जापान डेस्क के अंतर्गत कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है।

कॉरपोरेट ऑफिस खोलने को प्रेरित करें : योगी ने कहा कि एनसीआर में कंपनियों के कॉरपोरेट हेड ऑफिस खोलने के लिए प्रेरित किया जाए। सीएम ने ललितपुर फार्मा पार्क के काम की गति बढ़ाने और कानपुर को टेक्निकल टेक्सटाइल और स्पोर्ट्सवेयर के केंद्र के रूप में विकसित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास विभाग की समीक्षा की

रोड शो तक सीमित न रहें, सीधा संपर्क रखें

सीएम ने ताइवान, कोरिया, सहित विभिन्न विदेशी डेस्क की समीक्षा के दौरान कहा कि निवेशकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा जाए, केवल रोड शो तक सीमित न रहा जाए। सभी विदेशी डेस्क के जरिए नियमित अंतराल पर राउंड टेबल बैठकें होती रहनी चाहिए। हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे भटकना न पड़े। अधिकारियों ने बताया कि ताइवान की 40 से अधिक कंपनियां चिह्नित की गई हैं और करीब 100 करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश मजबूत आधार बनेगा। सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक जैसी कोरियाई कंपनियों के साथ भी निवेश को लेकर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का गौतमबुद्ध नगर में करीब 850 करोड़ रुपये का विस्तार प्रस्तावित है, जबकि लोट्टे समूह का करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश प्रक्रियाधीन है। सिंगापुर डेस्क के अंतर्गत टेमासेक, सरकारी निवेश कोष, पीएसए, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास, केपेल और सेम्बकॉर्प जैसे निवेशक यूपी में लगातार रुचि दिखा रहे हैं।

निवेश का परिवेश

- 683 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश आया इस साल सितंबर तक।
- 13610 करोड़ के प्रस्ताव फॉर्च्यून 500 पॉलिसी के तहत मिले।
- 5000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए खाड़ी देशों संग बैठक में।
- 20000 करोड़ के निवेश का लक्ष्य जापानी कंपनियों के जरिए।
- 850 करोड़ रुपये खर्च कर नोएडा में विस्तार करेगी एलजी।